जोशना चिनप्पा : पहले कमांडर-इन-चीफ की परपोती, जिन्होंने स्क्वैश में लहराया परचम

नई दिल्ली। भारत की मशहूर स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश को गौरवान्वित किया है। जोशना अंडर-19 वर्ग में ब्रिटिश स्क्वैश चैंपियनशिप जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। दीपिका पल्लीकल के साथ, जोशना चिनप्पा को भारत की सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ महिला स्क्वैश खिलाड़ियों में गिना जाता है।

कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिताब जीत चुकीं जोशना भारतीय स्क्वॉश के लिए प्रेरणास्रोत मानी जाती हैं। 15 सितंबर 1986 को चेन्नई में जन्मीं जोशना को यह खेल विरासत में मिला। जोशना के परदादा केएम करियप्पा स्वतंत्र भारत की भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ थे।

जोशना के दादा और पिता एक स्क्वैश खिलाड़ी थे। इन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए जोशना ने महज 7 साल की उम्र से स्क्वैश खेलना शुरू कर दिया। जोशना के पिता, अंजन चिनप्पा, ने तमिलनाडु स्क्वैश टीम का भी प्रतिनिधित्व किया है। इसके साथ ही, वह बेटी के पहले कोच भी थे। साल 2000 में जोशना ने पहली नेशनल स्क्वैश चैंपियनशिप जीती। उस समय वह महज 14 वर्ष की थीं। इसके बाद उन्होंने साल 2003 में प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन ज्वाइन किया।

साल 2005 में जोशना चिनप्पा ने अंडर-19 वर्ग में ब्रिटिश जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। इसी वर्ष उन्होंने सबसे कम उम्र की भारतीय महिला राष्ट्रीय चैंपियन बनने का गौरव भी हासिल किया।

साल 2012 से 2015 तक जोशना लगातार चार साल नेशनल स्क्वैश चैंपियन रहीं। साल 2014 और 2018 में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स में क्रमश: गोल्ड और सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल : पहलगाम हमले के पीड़ितों और सेना को समर्पित है जीत, पाकिस्तान को पटखनी देने के बाद बोले सूर्यकुमार यादव

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रविवार को एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ मिली बड़ी जीत को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान बहादुरी दिखाने वाले सेना के जवानों को समर्पित किया है। भारतीय कप्तान ने पहलगाम आतंकी हमले में पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़े होने की प्रतिबद्धता भी जताई।

सूर्यकुमार यादव का जन्मदिन, पाकिस्तान के खिलाफ बड़ी जीत और उसमें उनकी फिनिशर वाली पारी। भारतीय कप्तान के लिए मैच का दिन बेहद यादगार रहा। मैच के बाद पुरस्कार समारोह के लिए जब वह आए तो संजय मांजरेकर ने %हैप्पी बर्थ डे% कहते हुए उनका स्वागत किया।

जन्मदिन के लग रहे नारों के बीच भारतीय कप्तान ने कहा, भारत को रिटर्न गिफ्ट देकर अच्छा लग रहा है। हम ऐसी ही जीत की सोच रहे थे। मैं अंत तक रुककर बल्लेबाजी करना चाहता था। हमारे लिए यह मैच सिर्फ एक मैच की तरह ही था। हम सभी विरोधियों के लिए एक जैसी तैयारी करते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी हमने इसी मानसिकता से जीता था।

सूर्यकुमार यादव ने कहा, यह सही समय है और मैं बस कुछ कहना चाहता हूं। हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं और अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। इस जीत को अपने सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने बहुत बहादुरी दिखाई। आशा है कि वे हम सभी को प्रेरित करते रहेंगे और हमें जब भी मैदान पर मौका मिलेगा, उन्हें मुस्कुराने की वजह देंगे।

बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव को मैच का श्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। कुलदीप ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए थे। मैच की बात करें तो पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। पाकिस्तान 20 ओवर में 9 विकेट पर 127 रन बना सकी थी। पाकिस्तान के लिए साहिबजादा फरहान ने 40 और शाहीन अफरीदी ने नाबाद 33 रन बनाए।

भारत के लिए कुलदीप यादव के अलावा अक्षर पटेल ने 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 और वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट लिए। हार्दिक पांड्या ने 4 ओवर में 34 रन देकर 1 विकेट लिए।

पाकिस्तान से मिले 128 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम के लिए अभिषेक शर्मा ने धमाकेदार शुरुआत की और शाहीन अफरीदी को पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाकर अपनी क्लास दिखा दी। शर्मा ने 13 गेंदों पर 4 चौके और 2 छक्के की मदद से 31 रन बनाए। गिल 7 गेंद पर 10, तिलक वर्मा 31 गेंद पर 31 रन बनाकर आउट हुए। भारत के लिए कप्तान सूर्य कुमार यादव ने 37 गेंद पर नाबाद 47 रन बनाकर मैच फिनिश किया। उन्होंने छक्का लगातार जीत दिलायी। शिवम दुबे 10 रन पर नाबाद रहे। भारतीय टीम ने 15.5 ओवर में 3 विकेट पर 131 रन बनाकर मैच 7 विकेट से जीता।

बाईपास सर्जरी करा चुके 73 वर्षीय पूर्व बैंकर ने पावरलिफ्टिंग में जीते चार पदक

हैदराबाद। तेलंगाना में 73 वर्षीय एक बैंकर ने हृदय की बाईपास सर्जरी होने के बावजूद हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीते हैं। डीवी शंकर राव ने अपनी उम्र को चुनौती देते हुए यह संदेश दिया कि अगर अनुशासन, मानसिक शक्ति और दृढ़ संकल्प हो तो सभी बाधाओं को पार किया जा सकता है। भद्राचलम के रहने वाले डीवी शंकर राव (73) देश में ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने हृदय बाईपास सर्जरी होने के बावजूद राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में भाग लिया और विजयी हुए। केरल के कोझिकोड में पिछले महीने 'पावरलिफ्टिंग इंडिया' के तत्वावधान में आयोजित इस चैंपियनशिप में एसबीआई से सेवानिवृत्त अधिकारी राव ने 83 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा की और पदक जीते।

राव की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने पावरलिफ्टिंग का अभ्यास शुरू करने के छह महीने बाद ही यह पदक जीते हैं। राव ने कहा, 'मैं रोज सुबह टहलने जाता हूं और योग करता हूं। टहलने के दौरान मुझे मेरे एक दोस्त ने मेरे शरीर को देखते हुए मुझे जिम में प्रशिक्षण लेने और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। शुरुआत में मैं थोड़ा हिचकिचा रहा था क्योंकि मेरी हृदय की बाईपास सर्जरी हुई थी।' राव की 2012 में बाईपास सर्जरी हुई थी और उन्होंने इस साल फरवरी में पावरलिफ्टिंग का प्रशिक्षण शुरू किया था। उन्होंने कहा, 'जिम में आने वाले कुछ चिकित्सकों ने उन्हें पावरलिफ्टिंग जारी रखने की सलाह दी लेकिन सांस लेने में तकलीफ या बेचैनी महसूस होने की स्थिति में प्रशिक्षण बंद करने को कहा।' राव के परिवार के सदस्यों और एक करीबी चिकित्सक ने हालांकि उनके पावरलिफ्टिंग शुरू करने को लेकर आशंका जताई थी क्योंकि वह हृदय बाईपास सर्जरी करा चुके हैं जबकि अन्य चिकित्सकों ने उन्हें बताया कि उनका शरीर प्रशिक्षण के लिए अनुकूल है। राव ने कहा कि पावरलिफ्टिंग प्रशिक्षण के दौरान उन्हें कोई समस्या नहीं हुई। राव ने शुरुआत में जिला और राज्य स्तर पर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिताएं जीतीं और बाद में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए चुने गये। राव जब प्रतियोगिता में भाग लेने के योग्य हो गए तब नियमित रूप से जिम जाने वाले एक चिकित्सक ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए प्रशिक्षित किया।

सुबह की सैर और योग को देते हैं श्रेय

राव ने कहा कि वह अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए आवेदन नहीं कर सके क्योंकि वह तुरंत भुगतान के लिए धन जुटाने की स्थिति में नहीं थे। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें सरकार या किसी गैर-सरकारी संगठन से सहयोग मिले तो वह विश्व प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक हैं।

सच बाजार

लोगों ने कहा- पुलिस को वसूली से फुरसत मिले तब ना, सुधारेगी ट्रैफिक व्यवस्था

शहर की यातायात व्यवस्था भगवान भरोसे, सुरक्षा पखवाड़े के नाम पुलिस द्वारा की जा रही वसूली

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल

राजधानी शहर में जगह-जगह बेरीगेट लगाकर यातायात व्यवस्था और सुरक्षा पखवाड़ा अभियान की आड़ में वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की जा रही है, जो कि सुशासन और सुव्यवस्था के खिलाफ है। व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों और वाहन चालकों का कहना है कि सुरक्षा पखवाड़े की आड़ में पुलिस प्रशासन का मैदानी आमला यातायात और सुरक्षा व्यवस्था का नजर अंदाज कर वसूली अभियान में जुटे हुए हैं।

शहर की यातायात व्यवस्था पर प्रतिक्रिया ली तो लोगों ने ट्रैफिक पुलिस की कार्य प्रणाली पर ही सवाल खड़े किए। लोग यह मानने को तैयार नहीं है कि शहर की ट्रैफिक पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था को बनाने के लिए कोई सार्थक पहल की। लोगों का सीधा आरोप है कि पुलिस सिर्फ चालान काटने और रोक टोक करने के अलावा और कुछ नहीं करती। कुछ लोगों ने तो ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि पुलिस क्या खाक ट्रैफिक व्यवस्था सुधारेगी। पुलिस को वसूली से फुरसत मिले तब न।

भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष तेजकुलपाल सिंह पाली ने कहाकि शहर में

बिगड़ैल यातायात व्यवस्था को लेकर पट्टैफिक पुलिस द्वारा तक अब जितने भी अभियान चलाए सभी फेल रहे। इसका मूल कारण जो लोगों को समझ में आया वह यह कि पुलिस का हर अभियान सिर्फ खानापूर्ति के नाम पर चला। चाहे हेलमेट अभियान हो या चेहरे से स्कार्फ हटाने या फिर सर्विस रोड पर बाइक को लाने का अभियान। क्योंकि इन सबके पीछे पुलिस प्रशासन का मैदानी अमला अपने एक ही मूल भावना वसूली का अंजाम देता है। व्यवसायी ठाकुरलाल राजपूत ने भोपाल शहर की यातायात और ट्रैफिक व्यवस्था को अव्यवस्थित बताया है, क्योंकि ट्रैफिक नियमों का पालन न करने, सड़कों पर कहीं भी वाहन खड़े करने और ट्रैफिक जाम की समस्याएं आम हैं। भोपाल स्मार्ट सिटी मिशन के तहत ट्रैफिक को नियंत्रित करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने के लिए इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम जैसी पहलें शुरू की गई थीं, लेकिन इसके लागू होने पर सवाल उठते हैं। शहर में बेतरतीब यातायात और ट्रैफिक जाम से निपटने के लिए समुचित प्रयास नही किए जा रहे हैं।

दिया जा रहा वसूली का टार्गेट

शहर की यातायात व्यवस्था को लेकर नागरिकों ने असंतोष है। लोगों ने विभाग द्वारा समय-समय पर चलाए गए अभियानों को ढकोसला करार दे हैं। कहा जा रहा है कि विभाग पहले खुद की कार्यप्रणाली में सुधार कर ले, नियमों का पालन करवाने के लिए वसूली पर टार्गेट देना बंद करें।

अधिकारी- कर्मचारी ढीले पड़ जाते हैं

जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा दोपहिया वाहन चालक को बिना हेलमेट नहीं चलने देने को लेकर पिछले कई वर्षों से समय-समय पर धरपकड़ का अभियान चलाया जा रहा है और ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रहे हैं, लेकिन कुछ दिन बाद अधिकारी- कर्मचारी ढीले पड़ जाते हैं। बताया जा रहा है कि प्रशासन द्वारा एक अभियान नकाब के खिलाफ भी चलाया गया। जो सप्ताहभर समझाइश देने के बाद नकाब वाले दोपहिया चालकों का चालान किया गया। स्कार्फ जमा करवाए गए, लेकिन लगातार कार्रवाई नहीं हुई। सप्ताह पखवाड़े के बाद पुलिस अचानक कार्रवाई करती हुई नजर और लेकिन अब चुपचाप है।

गेहूं के आटे पर 5 फीसदी का जीएसटी बरकरार रहने से रोलर फ्लोर नाखुश

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल

जीएसटी काउंसिल ने अगली पीढ़ी के सुधार के रूप में दैनिक उपयोग की अधिकांश वस्तुओं पर टैक्स की दर घटाकर उसे सस्ता बना दिया है , लेकिन एक अत्यन्त महत्वपूर्ण उत्पाद- गेहूं आटा पर 5 प्रतिशत के जीएसटी को बरकरार रखा है,जबकि इससे अनेक तरह के ब्रेड आदि बनाए जाते हैं। इससे रोलर फ्लोर उद्योग नाखुश है। उसका कहना है कि गेहूं आटा को शून्य टैक्स वाले उत्पादों की सूची में रखा जाना चाहिए था जिससे आम लोगों को राहत मिलती।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी मॉड्यूल में किए गए संशोधन के बाद अब पैकेज्ड रोटी, चपाती, खाकरा, पिज्जा ब्रेड, परांठा, परोट्ठा तथा अन्य तरह के भारतीय ब्रेड आदि पर टैक्स दर को शून्य कर दिया गया है जबकि पहले इस पर 12 और 18 प्रतिशत का टैक्स लगता था।5 किलो से अधिक वजन वाले बैग (बोरी) बेचे जाने वाले गेहूं के आटे पर कोई टैक्स

नहीं लागू था और इसे नए संशोधन में भी बरकरार रखा गया है। चूंकि रोटी निर्माताओं द्वारा पैकेज्ड रोटी के निर्माण के लिए आमतौर पर बल्क पैक साइज में आटा एवं मैदा आदि की खरीद की जाती है जिसका वजन 25 किलो से ज्यादा होता है इसलिए उस इस पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता है लेकिन 25 किलो से कम वजन वाले पैक साइज में बेचे जाने वाले पैकिंग युक्त आटा पर 5 प्रतिशत का जीएसटी लगा हुआ है।

रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने कहाकि चूंकि आमतौर पर सामान्य परिवार द्वारा 25 किलो से कम वजन वाले पैक में गेहूं के आटे की खरीद की जाती है इसलिए ऐसे उपभोक्ताओं को घर में बनाई जाने वाली रोटियों पर 5 प्रतिशत का टैक्स चुकाना पड़ेगा। यह स्थिति बदली जानी चाहिए। अध्यक्ष के मुताबिक जीएसटी से छूट भारतीय घरों में बनाई जाने वाली रोटियों (ब्रेड) तक विस्तारित नहीं की गई है जबकि पैकेज्ड ब्रेड की तुलना में आम लोगों को घरों में बहुत ज्यादा रोटियां बनती है।

हिमांशु फ्लोर मिल्स के प्रमोद जैन (हिमांशु) ने कहाकि घर में बनाई जाने वाली रोटियों का ही रसोई घर में वर्चस्व रहता है, जबकि बाजार से खरीदी गई रोटियां ज्यादा प्रचलित नहीं है। मोटे अनुमान के अनुसार देश में करीब 80 प्रतिशत आटा की खपत घरों में होती है इसलिए उद्योग ने सरकार से आटा, मैदा, सूजी एवं बेसन आदि को भी जीएसटी के शून्य टैक्स वाले उत्पादों की सूची में शामिल करने का आग्रह किया है।

ट्रायल फेज में फिलहाल स्वैच्छिक..

लेकिन अगले 6 माह में चांदी पर हॉलमार्किंग अनिवार्य होगी

वाणिज्य प्रतिनिधि.भोपाल

चांदी की हॉलमार्किंग अगले 6 महीनों में अनिवार्य हो सकती है। फिलहाल 1 सितंबर से इसे स्वैच्छिक रखा गया है यानी ज्वैलर्स चाहें तो अपनाएं,लेकिन छह महीने बाद इसका पालन करना अनिवार्य होगा। भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक प्रमोद तिवारी ने कहाकि अभी यह ट्रायल फेज में है लेकिन सफल होने के बाद इसे लागू कर दिया जाएगा। 1 सितंबर से चांदी की स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू हो चुकी है।

उन्होंने कहाकि कहा कि 1 सितंबर से छह अंकों वाली नई हॉलमार्किंग प्रणाली लागू हुई है। इसके साथ ही बैटरी स्वैपिंग स्टैंडर्ड तैयार करने पर भी काम चल रहा है, जिसे जल्द लागू किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि बुलियन की हॉलमार्किंग अनिवार्य करने में कई चुनौतियां हैं, खासकर पुराने सोने को पिघलाकर बनने वाले सराफा

कारीगरों से।

उल्लेखनीय है कि चांदी पर हॉलमार्किंग अनिवार्य होना उपभोक्ताओं के अधिकारों की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। नए हॉलमार्क में तीन निशान होंगे । बीआईएस का लोगो, प्योरिटी ग्रेड और एचयूआईडी नंबर। सरकार ने चांदी की शुद्धता के छह ग्रेड (800, 835, 900, 925, 970 और 990) तय किए हैं, जिनके आधार पर शुद्धता का निर्धारण होगा। शुरुआत में इसे स्वैच्छिक रखा गया है यानी ज्वैलर्स चाहें तो अपनाएं लेकिन छह महीने बाद इसे अनिवार्य कर दिया जाएगा।

कोटेक हेल्थकेयर ने सेबी को सौंपा आईपीओ दस्तावेज

मुंबई। कोटेक हेल्थकेयर लिमिटेड भारत के अनुबंध विकास एवं विनिर्माण संगठन उद्योग में 24 अलग-अलग किस्म के फॉर्मूलेशन में क्षमता के साथ खुराक के रूपों की संख्या के लिहाज से दूसरी सबसे बड़ी कंपनी है और इसने अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। इसमें 2,950 मिलियन तक के ताजा निर्गम (फ्रेश इशू) और 5 रुपए अंकित मूल्य वाले 60 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री (ऑफर फॉर सेल) का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी सीडीएमओ के रूप में काम करती है, जो पेटेंट मुक्त जो ऑफ-पेटेंट दवाओं, जैसे जटिल जेनेरिक दवाओं, का विकास, लोन लाइसेंसिंग और उत्पादन करती है। इसमें संशोधित और निरंतर रिलीज जैसे जटिल डिलीवरी फॉर्म शामिल हैं, जो संस्थागत और निजी ग्राहकों के लिए हैं। कंपनी के पोर्टफोलियो में इंजेक्शन, टैबलेट, कैप्सूल, मलहम, आई ड्रॉप, एम्पुल, शीशियां, तरल और सूखे सिरप, और इम्प्यूजन सहित कई खुराक वाले उत्पादों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

आरसीएम की 100 दिवसीय राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा का शुभारंभ

भोपाल। डायरेक्ट सेलिंग कंपनी आरसीएम ने अपनी 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर 100 दिवसीय राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा की शुभारंभ करने जा रही है। यह 17,000 किलोमीटर लंबी यात्रा देशभर के गाँवों और शहरों से होकर गुजरेगी और 25 भव्य आयोजनों के माध्यम से स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार का संदेश फैलाएगी। सन् 2000 में एकमात्र टेक्सटाइल उत्पाद से शुरू होकर आज आसीएम 400 से अधिक उत्पादों के साथ 2,400 करोड़ रुपए के उद्यम में विकसित हो चुकी है, जिसे 20 लाख से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स का सहयोग प्राप्त है। इसका वितरण नेटवर्क आज 10,000 से ज्यादा स्टोर्स के साथ मजबूती से खड़ा हैं।

एमओएस यूटिलिटी और नैस्डैक ने की वित्तीय समावेशन में विस्तार की घोषणा

नई दिल्ली। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड और नैस्डैक सूचीबद्ध डिगीएशिया कॉर्प ने अपने रणनीतिक सहयोग के विस्तार की घोषणा की है। यह साझेदारी सिर्फ़ भुगतान सेवाओं तक सीमित न रहकर ब्रांचलेस बैंकिंग, एआई-आधारित ढांचा और फाइनेंशियल इंक्लूजन समाधान तक फैलाई जाएगी, जो 30 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के अवसर को लक्ष्य बना रही है। एमओएस की टेक्नॉलॉजी डिगीएशिया के ब्रांचलेस बैंकिंग नेटवर्क में एकीकृत की जाएगी, जिससे इंडोनेशिया में एक मिलियन से अधिक व्यापारियों को वित्तीय सेवा एजेंट के रूप में जोड़कर अपूर्ण रूप से सेवित समुदायों तक पहुंच बढ़ाई जाएगी। एमओएस यूटिलिटी लिमिटेड के चेयरमैन और डायरेक्टर चिराग शाह ने कहाकि एमओएस के मॉड्यूलर फिनटेक इंफ्रास्ट्रक्चर को डिगीएशिया की डिस्ट्रीब्यूशन रीच के साथ जोड़कर हम एक ऐसा प्लेटफार्म बना रहे हैं, जो वित्तीय सेवाओं की डिलीवरी को बदल देगा।

घरेलू निवेशकों ने अगस्त में शेयर बाजार में 90 हजार करोड़ रुपए से अधिक निवेश किए : एनएसई

मुंबई। घरेलू निवेशकों का दबदबा शेयर बाजार में लगातार बना हुआ है। अगस्त में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने कुल 94,829 करोड़ रुपए (10.8 अरब डॉलर) का निवेश किया है। यह बीते 10 महीनों में सबसे बड़ा निवेश है। साथ ही, लगातार 25वां महीना है, जब डीआईआई की ओर से निवेश सकारात्मक रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की मार्केट प्लस रिपोर्ट में बताया गया कि भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में 4 अरब डॉलर की बिकवाली की है, जो कि बीते सात महीनों में सबसे अधिक है।

एफपीआई की ओर से भारतीय बाजार में बिकवाली की वजह अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाए जाने को माना जा रहा है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि राजकोषीय घाटा समेकित हो रहा है और मासिक जीएसटी संग्रह मजबूत बना हुआ है। पूंजीगत व्यय भी बढ़ रहा है, जो सरकार के दीर्घकालिक विकास

पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत देता है।

वहीं, महंगाई आठ वर्षों के न्यूनतम स्तर पर बनी हुई और आरबीआई के महंगाई के लक्ष्य ने नीचे हैं। इस कारण से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की जा सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कॉरपोरेट मुनाफे में रिकवरी देखने को मिली है। हालांकि, आय अनुमानों में गिरावट आई है, लेकिन गति धीमी हो गई है।

अगस्त में नई इक्विटी लिस्टिंग में तेजी आई, लेकिन लोन के जरिए फंड जुटाने की गति 16 महीने के निचले स्तर पर आ गई। कुल पंजीकृत निवेशक आधार 12 करोड़ के आंकड़े के करीब पहुंचने के बावजूद नए निवेशक पंजीकरण में कमी देखी गई है। पिछले महीने डेरिवेटिव बाजार में व्यापारिक गतिविधियां चुनिंदा मिलीजुली रहीं। जहां फ्यूचर्स में औसत दैनिक कारोबार में वृद्धि देखी गई, वहीं इक्विटी ऑप्शंस के कारोबार में गिरावट देखी गई।

कमोडिटी फ्यूचर्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया, जिसका मुख्य कारण इलेक्ट्रिसिटी फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट थे।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत की बाह्य स्थिति आरामदायक बनी हुई है। अगस्त में विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर पर था और रुपए की अस्थिरता पर भी नियंत्रण पा लिया गया है। मानसून की गति तेज हो गई है, जलाशयों का स्तर मजबूत है और बुवाई का काम लगभग पूरा हो रहा है। 1 जून से 5 सितंबर तक कुल संचयी वर्षा सामान्य से 8.8 प्रतिशत अधिक रही है।